REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
काल
Part -2
LIVE
24-01-2025 11:00 AM

4. अपूर्ण भूतकाल – क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य भूतकाल में पूरा नहीं हुआ था अपितु नियमित रूप से जारी रहा। उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं।

उदा० सीता जा रही थी।
वह गाना गा रहा था।
मैं निबंध लिख रहा था।
लोग बड़ी-बड़ी गाड़ियाँ लेकर आ रहे थे।

- बच्चा रो रहा था।   सीता किताब पढ़ रही थी।
- सीता पढ़ रही थी। वह गा रहा था।
- मोहन रेगिस्तान में खेल रहा था।
- गीता हंस रही थी।
- वह समाचार देख रहा था।

5. **संदिग्ध भूतकाल** – भूतकाल की जिस क्रिया से कार्य होने में अनिश्चितता अथवा सन्देह प्रकट हो। उसे संदिग्ध भूतकाल कहते है।

(कार्य भूतकाल में पूर्ण हुआ है या नही)

उदा० - काश मैं वहाँ गया होता।

काश मैंने तुम्हारे साथ यात्रा की होती।

डॉक्टर ने दवाई दे दी होगी।

रमेश घर आ गया होगा।

तुमने गाना गाया होगा।

6. **हेतुहेतुमद् भूतकाल** – क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि क्रिया भूतकाल में होती किन्तु किसी कारण से नहीं हुई। उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं।

(क्रिया होने वाली थी पर नहीं हुई)

उदा॰ तुम खाना देती तो मैं खाता।
वर्षा होती तो अन्न होता।
तुम आते तो मैं जाता।

- यदि परीक्षा शुल्क समय से दे देता तो मैं परीक्षा दे रहा होता।
- यदि वर्षा होती तो खेती न सूखती।
- यदि तुम सतर्क रहते तो दुर्घटना नहीं होती।
- यदि मैं घर पर होता तो चोरी नहीं होती।
- यदि मैं मेहनत करता तो सफल हो जाता।
- यदि तुमने परिश्रम किया होता, तो पास हो जाते।

3. **भविष्यत् काल** – भविष्य में होने वाली क्रिया का बोध हो उसे भविष्य काल कहते हैं।

(कार्य का आने वाले समय होने का बोध हो)

उदा० मोहन कल शादी में जाएगा।

किसान खेत में गन्ना बोएगा।

- राम बाजार जायेगा।
- हम मुम्बई जायेगें।
- वह मेला देखने जायेगा।
- खिलौना नहीं मिलने पर बच्चा रोएगा।

भविष्यत् काल के तीन भेद होते है –

1. सामान्य भविष्यत् काल – क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में सामान्य ढंग से होने का पता चलता है। उसे सामान्य भविष्यकाल कहते है।

उदा० मैडम कल पढ़ायेंगी।

हम सर्कस देखने जायेंगे।

- मैं खेलूँगा।
- बच्चे लूडो खेलेंगे।
- हम हरिद्वार जायेगें।
- रवि सन्तरें खायेगा।
- कल ऑफिस बन्द रहेगा।
- मैं कक्षा में नए दोस्त बनाऊँगा।

2. सम्भाव्य भविष्यत् काल – क्रिया के जिस रूप से आगे कार्य होने या करने की सम्भावना का पता चले उसे सम्भाव्य भविष्य काल कहते हैं।

- शायद रवि आये।
- सम्भव है आज हमारे घर मेहमान आये।
- शायद नेहा कल नये कपड़े लेकर आए।
- शायद आज रात वर्षा हो।
- शायद परीक्षा में मेरे अच्छे अंक आए।

3. हेतुहेतुमद् भविष्यत् काल – क्रिया के जिस रूप से एक कार्य का पूरा होना दूसरी आने वाले समय की क्रिया पर निर्भर हो। उसे हेतुहेतुमद् भविष्यकाल कहते है।

REET 2025
L - 1 & 2
Youtube
हिंदी
मैराथन
सम्पूर्ण चैप्टर कवर
नये सिलेबस पर आधारित
LIVE STREAMING
25-01-2025 07:00 AM

- वह कहे तो मैं कोशिश करूँ।
- छात्रवृत्ति मिले, तो राम पढ़े।
- यदि तुम पढ़ोगे, तो ही तुम्हारा भला होगा।
- आप कमाये तो हम खाएँ।
- यदि शत्रु हमला करेगा तो मुंह की खायेगा।
- वह चले जाएँ तो मैं बैठूँ।